राजस्थान बनेगा चिकित्सा पर्यटन का केंद्र

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **राजस्थान सरकार** ने अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये शीघ्र ही **'हील इन राजस्थान' नीति** शुरू करके चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है।

- यह नीति तैयार करने के लिये एक **मेडिकल वैल्यू ट्रैवल समिति** नियुक्त की गई है, जिसमें विभिन्न विभागों और संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

मुख्य बिंदु

- राज्य सरकार के **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग** ने नीति के लिये सुझाव एकत्र करने के लिये **निजी अस्पतालों, टूर ऑपरेटरों और अन्य हितधारकों के साथ सहयोग** किया है।
- इसका मुख्य ध्यान स्वास्थ्य, कायाकल्प और पारंपरिक चिकित्सा आधारित उपचारों पर है, जिसका उद्देश्य जयपुर तथा अन्य शहरों को प्रमुख चिकित्सा पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करना है।
- राज्य सरकार ने वर्ष 2024 में बजट का **8.26%** स्वास्थ्य क्षेत्र के लिये आवंटित किया है।
- इसका उद्देश्य नीतिगत निर्णयों, निवेश और रोज़गार के अवसरों के सृजन तथा फार्मास्यूटिकल्स एवं आतिथ्य जैसे संबंधित उद्योगों में विकास के माध्यम से राजस्थान को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक मॉडल के रूप में स्थापित करना था।
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग **निवेश संवर्द्धन ब्यूरो (BIP)** और **भारतीय उद्योग परिसंघ (CII)** के साथ मिलकर उच्च स्तरीय सुविधाएँ स्थापित करेगा, जिसका उद्देश्य चिकित्सा उपचार के लिये अन्य राज्यों तथा विदेशों से आने वाले रोगियों को आकर्षित करना है।

नोट: निवेश संवर्द्धन ब्यूरो (BIP) राजस्थान की एक सरकारी एजेंसी है जो राज्य में निवेश और एकल खिड़की मंज़ूरी को बढ़ावा देती है। BIP का मुख्य लक्ष्य निवेशकों का समर्थन करना तथा राजस्थान में निवेश को बढ़ावा देना है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (CII)

- CII एक **गैर-सरकारी, गैर-लाभकारी**, उद्योग-नेतृत्व वाला और उद्योग-प्रबंधित संगठन है।
- यह सलाहकार और परामर्श प्रक्रियाओं के माध्यम से उद्योग, सरकार तथा नागरिक समाज के साथ साझेदारी करके भारत के विकास के लिये अनुकूल वातावरण बनाने एवं बनाए रखने का कार्य करता है।
- **वर्ष 1895 में स्थापित, इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-to-become-a-medical-tourism-destination